सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 196 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 22 अगस्त, 2023

अगर आपका मन मजबूत है और आप उसमें एक दृढ़ संकल्प स्थापित कर देते हैं तो आप अपना भाग्य बदल सकते हैं।

-परमहंस योगानंद

राहुल और अय्यर टीम में, तिलक... 7 | विधानसभा चुनाव के लिए सजने लगे... 3 | भाजपा की साजिश में न आए पिछड़ा... 2

सियासी तीरों के निशाने पर आए फिल्मी कलाकार

सनी देओल, रजनीकांत व प्रकाश राज पर राजनीतिक घमासान

विपक्ष ने बीजेपी सरकार को घेरा

» कांग्रेस से लेकर कई संगठनों ने खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कोई बात हो जाए और सियासत न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। राजनीतिक बहस के दायरे में केवल नेता ही नही आते हैं फिल्मी कलाकर भी आते रहते हैं। इस समय देश के तीन लोकप्रिय कलाकार रजनीकांत, सनी देओल व प्रकाश राज अपने-अपने बयानों को लेकर मीडिया की सुर्खियों में तो बने ही हुए है राजनीतिक लोगों के निशाने पर आ गए हैं। इन मामलों में विपक्ष ने भाजपा को भी घेरा है।

सनी देओल जहां बैंक ऑफ बड़ौदा के ऋण न चुकाने को लेकर सियासी निशाने पर हैं तो दक्षिण के सुपर स्टार रजनीकांत यूपी के सीएम योगी कै पैर छूने को लेकर विवादों में घिर गए हैं वहीं सिंघम फिल्म में विलेन की भूमिका निभाने वाले प्रकाश राज चंद्रयान मिशन के खिलाफ ट्विट कर हिंदु संगठनों के विरोध में फंस गए हैं। दरअसल अभिनेता रजनीकांत ने रविवार को अयोध्या में राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना की। रजनीकांत ने मंदिर में विशेष पूजा की और भव्य राम मंदिर के निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया। वहीं रजनीकांत ने कहा, अगर भगवान ने चाहा तो मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद में दोबारा आऊंगा। अभिनेता के प्रकाशराज खिलाफ हिंदू संगठनों के नेताओं ने उनके खिलाफ बागलकोट जिले के बनहट्टी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की है। वहीं भाजपा के सांसद और अभिनेता सनी देओल ने मंगलवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के संपत्ति नीलामी नोटिस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा ये मेरा निजी मामला है।

अच्छे अभिनेता हैं रजनीकांत : केशव

यूपी के उपमुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुझे भी जेलर नाम की फिल्म देखने का मौका मिला। मैंने रजनीकांत की कई फिल्में देखी हैं और वह इतने प्रतिभाशाली अभिनेता हैं कि भले ही फिल्म में ज्यादा कॉन्टेंट न हो, फिर भी वह अपने परफॉर्मेंस से उसे ऊंचा उठा देते हैं।

योगियों या संन्यासियों के पैर छूना मेरी आदतः रजनीकांत

रजनीकांत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आलोचना का जवाब देते हुए कहा, योगियों या संन्यासियों के पैर छूना और उनका आशीर्वाद लेना मेरी आदत है, भले ही वे मुझसे छोटे हों, मैंने यही किया है। पिछले हफ्ते अपनी मुलाकात के दौरान रजनीकांत ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नमस्ते करके स्वागत किया और फिर उनके पैर छुए। इस भाव-भंगिमा की सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से आलोचना की गई, कई लोगों ने पूछा कि क्या 72 वर्षीय अभिनेता के लिए बहुत छोटे यूपी सीएम के पैर छूना ठीक था?

योगी को पीएम के रूप में देखकर पैर छुए : उदित राज

कांग्रेस नेता उदित राज ने मंगलवार को दावा किया कि रजनीकांत ने योगी आदित्यनाथ के पैर इसलिए छुए क्योंकि अभिनेता यूपी के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखते थे। कांग्रेस नेता ने कहा, सीएम योगी आदित्यनाथ को भविष्य में प्रधानमंत्री के रूप में देखे जाने पर बहस हो रही है। अन्यथा, अभिनेता रजनीकांत ने प्रधान मंत्री मोदी के लिए यह शिष्टाचार नहीं दिखाया था।

चंद्रयान की तय समय पर होगी लैंडिंग : इसरो

» चांद की नई तस्वीरें भेजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 की चांद पर लैंडिंग का हर कोई बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच इसरो ने मिशन चंद्रयान 3 को लेकर नया अपडेट दिया है। इसरो ने इसी के साथ लैंडर द्वारा ली गई चांद की नई तस्वीरें भी जारी की है। इसरो ने आज एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि चंद्रयान 3 मिशन तय समय पर है। स्पेस एजेंसी ने कहा सिस्टम की नियमित जांच चल रही है और काम सुचारू रूप से चल रहा है।

इसी के साथ इसरो ने विक्रम लैंडर द्वारा बनाया गया वीडियो भी जारी किया। इसरो ने कहा कि ये 19 अगस्त को लगभग 70 किमी की ऊंचाई से लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (एलपीडीसी) द्वारा ली गई चंद्रमा की फोटो हैं। एलपीडीसी तस्वीरें ऑनबोर्ड चंद्रमा संदर्भ मानचित्र के साथ मिलान करके लैंडर मॉड्यूल को उसकी स्थिति (अक्षांश और देशांतर) निर्धारित करने में सहायता करती हैं। इसरो ने इसी के साथ विक्रम लैंडर की चांद पर लैंडिंग का लाइव प्रसारण कैसे देखा जा सकता है, ये भी बताया है।

पहाड़ों पर मच रही तबाही की चर्चा 'सुप्रीम' चौखट पर पहुंची

» जांच के लिए कमेटी बनाने पर विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बार का मानसून सीजन पहाड़ी इलाकों के लिए मुसीबत का सबब बनकर आया। अब मानसून के दौरान लोकप्रिय पर्यटन स्थलों वाले हिल स्टेशनों में भारी तबाही पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर की है। साथ ही तबाही के कारणों की जांच करने पर भी सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया है। अध्ययन के लिए कमेटी बनाने पर विचार किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र में स्थित सभी 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्रों, हिल स्टेशनों, उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों, बड़े टूरिस्ट क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता का पता लगाने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल बनाने का संकेत दिया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ इस ममाले को सुन रही है।

28 अगस्त को सुझावों के साथ आएं याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता को सुनवाई की अगली तारीख 28 अगस्त को सुझावों के साथ वापस आने का निर्देश दिया गया कि पैनल में कौन-कौन विशेषज्ञ हो सकते हैं और संदर्भ की शर्तें क्या हो सकती हैं। यह मुद्दा पूर्व आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार राघव ने उठाया था, जिन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों और उसके आसपास अनियोजित बुनियादी ढांचे के विकास की शिकायत की थी। जनहित याचिका में कहा गया है कि मसूरी, नैनीताल, रानीखेत, चार धाम, जिम कॉर्बेट, बिनसर आदि जैसे गंतव्यों में चरम पर्यटन सीजन के दौरान अत्यधिक भीड़ होती है।

'भाजपा की साजिश में न आए पिछड़ा वर्ग'

» अखिलेश यादव बोले- डरी हुई बीजेपी फिंकवा रही जूते, 2024 में हिसाब चुकाना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में हो रही जूता व स्याही फेंकने की घटनाओं को भाजपा की साजिश बताया। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंकने की घटना पर कहा कि पता नहीं भाजपा उनसे इतना क्यों घबराती है। इस घटना में शामिल युवक की जो हालत हुई, वह जरूर समाजवादी एम्बुलेंस से ले जाया गया होगा। अखिलेश ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंकने के लिए हमारे ही सैनी समाज के युवक को बरगलाया गया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इसी तरह से घोसी में स्याही फेंकने में भाजपा के लोगों ने यादव समाज के युवक का इस्तेमाल किया।

स्याही फेंकने वाले युवक ने खुद ही बता दिया कि ये काम उससे भाजपाइयों ने करवाया है। कन्नौज में एक मुस्लिम व्यक्ति को फुसलाकर घटना करवा दी। साजिश का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि जिनके ऊपर स्याही फेंकी गई, वो आधा घंटे में कपड़े बदलकर पुन: प्रचार के लिए आ गए। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग जान चुके हैं कि वर्ष 2022 के चुनाव में उन्होंने जो धोखा दिया, उसका जनता 2024 में हिसाब चुकाएगी। इसलिए इस तरह की साजिश रच रहे हैं, लेकिन हम लोगों इससे सावधान रहने की जरूरत है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मानवतावाद का धर्म राष्ट्रवाद से बड़ा है। प्रख्यात कवि आरएन टैगोर भी कहा करते थे कि राष्ट्रवाद को मानवता पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

संसाधनों में सभी की न्यायपूर्ण भागीदारी और मानवता को ध्यान में रखकर ही समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना की मांग कर रही है। इसलिए पिछड़े वर्ग के लोग भाजपा की किसी भी साजिश में न फंसे। उन्होंने कहा कि विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया को पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) ही सहारा देंगे। इंडिया से एनडीए के नेता घबरा गए हैं। अखिलेश सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पिछड़े वर्ग के महापुरुषों के विचारों की प्रासंगिकता पर आयोजित सम्मेलन में अपनी बात रख रहे थे।

बौद्ध धर्म के चलते चीन-जापान में खुशहाली

अखिलेश ने कहा कि प्रधानमंत्री लाल किले से भारत को विकसित देश बनाने की बात कहते हैं। अगर हमारा देश भगवान बुद्ध का रास्ता अपना ले, तो उसे विकसित देश बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। चीन और जापान में भगवान बुद्ध की विचारधारा के चलते ही खुशहाली है। हालांकि, यह बात भी है कि कुछ जगह पर उतना लोकतंत्र नहीं है, जितना हमारे देश में है।

सपा के अराजक तत्व ने फेंकी काली स्याही : अरुण

सुभासपा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने कहा कि सपा के अराजक तत्व ने भाजपा प्रत्याशी के चेहरे पर काली स्याही फेंकी है। उन्होंने कहा कि सपा को घोसी विधानसभा उप चुनाव में अपनी हार का अहसास हो गया है. इसलिए हताशा में सपा के लोग अब ऐसे घिनौने काम पर उतारू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी घोसी विधानसभा में जनता का विश्वास नहीं जीत पा रही है, तो एनडीए के प्रत्याशी दारा सिंह चौहान पर काली स्याही फेंकने का काम कर रहा रही है। सपा हताश, निराश व भयभीत है।

भाजपा से जुड़े बड़े वकील ने दिया घटना को अंजाम : स्वामी प्रसाद मौर्य

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि दलितों और पिछड़ों की हकों की बात करने के कारण ही धर्म के ठेकेदार उनकी हत्या की सुपारी दे रहे हैं। लेकिन, इससे वह डरने वाले नहीं हैं। स्वामी प्रसाद ने कहा कि आज उनके साथ जो घटना हुई, उसे भाजपा से जुड़े एक बड़े वकील के जूनियर ने अंजाम दिया है। लेकिन, हमारे कार्यकताओं ने भी उसके कोट को चिंदी-चिंदी कर दिया।

मुशाल को विशेष सलाहकार बनाना पाक का आंतरिक मामला : उमर

» पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की सलाहकार बनीं यासिन मलिक की पत्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जेल में बंद अलगाववादी नेता यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक को पाकिस्तान के नवनियुक्त कार्यवाहक प्रधानमंत्री की सरकार में विशेष सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। इसको लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक की पत्नी की नियुक्ति पड़ोसी देश का आंतरिक मामला है।

मुशाल हुसैन को मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण मामलों के विशेष सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है।अब्दुल्ला ने पार्टी मुख्यालय पर कहा, क्या

हम पाकिस्तान से सलाह करके मंत्री नियुक्त करते हैं? फिर हमें उनसे यह अपेक्षा क्यों करनी चाहिए कि वे अपने मंत्री नियुक्त करने से पहले हमसे परामर्श करेंगे? यह उनका आंतरिक मामला है और हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। वहीं चीन द्वारा लद्दाख में भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के राहुल गांधी के बयान पर बोलने से इनकार किया है।

पीडीए सिर्फ छलावा और कुछ नहीं : राजभर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष द्वारा बनाया गया पीडीए सिर्फ छलावा है । चार बार सत्ता संभालने वाली सपा ने सिर्फ अपने स्वजातीय लोगों को ही आगे बढ़ाने का काम किया है। इसलिए समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी होने के कगार पर पहुंच चुकी है ।

उन्होंने कहा कि सपा के नेता हमेशा से पिछड़ों, दलितों और वंचितों को ठगने का ही काम किया है। उनके उत्थान के लिए कुछ नहीं किया है। राजभर लखनऊ के रवीन्द्रालय में आयोजित सुभासपा के प्रांतीय संगठन की समीक्षा कर रहे थे। पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राजभर ने कहा कि सुभासपा के संघर्षों का परिणाम है कि एनडीए सरकार पिछड़ों को

संवैधानिक अधिकार देने के लिए रोहिणी आयोग की रिपोर्ट को स्वीकृति देते हुए उसे जल्द लागू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि जब से सुभासपा एनडीए में शामिल हुई है तभी से सपा अध्यक्ष को हार का डर सताने लगा है। सपा की बौखलाहट की झलक अखिलेश यादव समेत अन्य नेताओं बयानों में साफ दिख रहा है। ओम प्रकाश ने कहा कि सपा हमेशा से पिछडें, दलित, अल्पसंख्यकों को ठगती आयी है।

पार्टी के कुछ बड़े नेताओं को मेरे तिलक से चिढ़ है : प्रमोद कृष्णम

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी घोषित होने के बाद नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ बड़े नेताओं को मेरी वेशभूषा और तिलक से चिढ़ है। यह मैं इस जन्म में नहीं छोड़ सकता। एक टीवी चैनल पर बातचीत में उन्होंने कहा कि दूसरे दलों से आए नेता कांग्रेस को कहां ले जाएंगे, यह समझ में नहीं आ रहा। इसमें कुछ ऐसे हैं, जो गीता प्रेस को गाली देते हैं। कांग्रेस नेतृत्व को समझना होगा कि मोदी से लड़ना आसान नहीं है। हिंदुत्व को गाली देना कोई धर्म निरपेक्षता नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को पूरे मामले से वाकिफ कराया गया है।

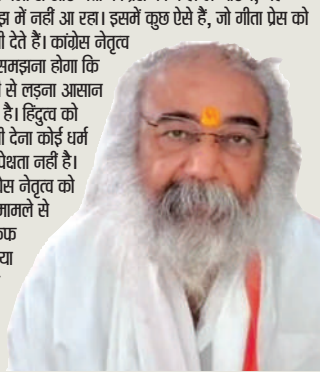

दिल्ली पुलिस कर रही गुंडागर्दी : मालीवाल

» नाबालिग लड़की से मिलना चाहती हैं महिला आयोग की अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल दिल्ली के उस अस्पताल में धरने पर बैठीं हैं जहां नाबालिग लड़की को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस गुंडागर्दी कर रही है। वे ना तो मुझे लड़की से मिलने दे रहे हैं और ना ही उसकी मां से मिलने दे रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि दिल्ली पुलिस मुझसे क्या छिपाना चाहती है।

मुझे बताया गया है कि एनसीपीसीआर अध्यक्ष को लड़की की मां से मिलने की अनुमति दी गई थी। जब एनसीपीसीआर अध्यक्ष लड़की की मां से मिल सकते हैं, तो डीसीडब्ल्यू प्रमुख को इसकी अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है? आपको बता दें कि महिला एवं बाल विकास विभाग में उपनिदेशक प्रेमोदय खाका के किशोरी से दुष्कर्म के मामले में सोमवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल व दिल्ली पुलिस में टकराव हुआ। आयोग व दिल्ली पुलिस ने एक-दूसरे को अपनी ताकत दिखाई। आयोग ने एफआईआर दर्ज होने के आठ दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस पर सवाल खड़ा करते हुए उसे नोटिस जारी किया।

बता दें कि बुराड़ी पुलिस ने आरोपी प्रमोदय खाखा के खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं और पॉस्को एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है।इस मामले का पता तब लगा, जब लड़की को अचानक बेचैनी हुई। इसके बाद लड़की को पिछले हफ्ते अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुष्कर्म का आरोपी कभी नहीं था मेरा ओएसडी : आतिशी

दिल्ली महिला एवं बाल विकास मंत्री आतिशी ने भाजपा के आरोपों सिरे से खारिज कर दिया। जिसमें कहा गया था कि उनके विभाग में आरोपी प्रमोदय खाखा को ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी यानी ओएसडी के तौर पर नियुक्त किया गया था। जो कई महीनों तक अपने दोस्त की बेटी के साथ दुष्कर्म किया था। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान आतिशी ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत आरोप है। आरोपी ने कभी मेरे साथ काम नहीं किया। दिल्ली मंत्री आतिशी ने कहा कि यह एक चौंकाने वाली घटना है, क्योंकि यह आरोपी महिला एवं बाल विभाग में एक अधिकारी था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत ही अधिकारी को सस्पेंड करने के निर्देश दे दिए। इससे पहले सीएम ने आरोपी अधिकारी को निलंबित करने का आदेश देने का जिक्र किया गया था।

विधानसभा चुनाव के लिए सजने लगे मैदान

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व तेलंगाना में उम्मीदवार घोषित

» भाजपा व कांग्रेस ने शुरू की प्रत्याशियों की तलाश

» दिग्गज नेताओं के दौरे भी ताबड़तोड़ शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस वर्ष के अंत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव है। भाजपा व कांग्रेस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। दोनों सियासी दलों ने प्रत्याशियों पर माथापच्ची शुरू कर दी है। उम्मीदवारों के नामों की घोघणा होने लगी है। चुवानी माहौल बनते ही दल बदलने वालों की संख्या भी बढ़ने लगी है। देश के दोनों प्रमुख दल अपने-अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने लग गए है। हांलांकि कैंडिडेट को फाइनल करने में भाजपा कांग्रेस को पछाड़ रही है। यहीं नहीं तेलंगाना में भी चुनाव होने में अभी समय है परंतु केसीआर अभी से उम्मीदवार घोषित करने में जुटे हैं। खैर सियासी पार्टियां अपने-अपने स्तर पर मेहनत कर रहीं हैं। पर जनता ही अंतिम फैसला करेगी कि इसके हाथ में सत्ता आएगी किसकों मायूसी मिलेगी।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी ने 17 अगस्त को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनिंदा विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। यह घोषणा पिछले दिन नई दिल्ली में बीजेपी संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद की गई। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से 21 और मध्य प्रदेश की 230 में से 39 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई। सवाल ये है कि बीजेपी ने इतनी जल्दी उम्मीदवारों की घोषणा क्यों की है, जबकि दोनों राज्यों में साल के अंत में चुनाव होने हैं? बीजेपी के सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की कोर रणनीति टीम ने उन सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करने का फैसला किया जहां पार्टी ने लंबे समय से जीत हासिल नहीं की है, या कांग्रेस के साथ करीबी लड़ाई में है,बीजेपी ने सीटों को चार श्रेणियों (ए, बी, सी और डी) में बांटा है। ए श्रेणी की सीटों को सुरक्षित माना जाता है जबकि बी में ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी एक बार हारी थी। श्रेणी सी में ऐसी सीटें हैं जहां पार्टी के उम्मीदवार दो बार से ज्यादा हार गए हैं, जबकि डी में वे सीटें शामिल हैं जो कभी नहीं या शायद ही कभी जीती हैं। घोषित किए गए अधिकांश उम्मीदवार सी और डी श्रेणियों की सीटों के लिए हैं। छत्तीसगढ़ में जिन 21 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी, उनमें से 10 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं, 21 सीटों में से एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है और बाकी 10 सामान्य सीटें हैं. कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में एसटी आरक्षित सीटों पर भारी बहुमत हासिल किया था, छत्तीसगढ़ में कुल 29 एसटी और 10 एससी आरक्षित सीटें हैं। मध्य प्रदेश में जिन 39 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, उनमें से आठ अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जबकि 13 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। एमपी में कुल 47 एसटी आरक्षित सीटें और 35 एससी आरक्षित सीटें हैं। राज्य में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में से अधिकांश कांग्रेस के पास हैं. उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने में बीजेपी ने छत्तीसगढ़ और एमपी के लिए अलग-अलग रणनीति अपनाई है। छत्तीसगढ़ में जहां पार्टी विपक्ष में है, इसका उद्देश्य कैडर के लिए उम्मीदवारों को प्रचार करने के लिए पर्याप्त समय देना है, वहीं एमपी में जहां बीजेपी सत्ता में है, पार्टी उम्मीदवारों को सरकार में होने का फायदा देने के साथ-साथ किसी भी विरोध या भीतर से तोड़फोड़ पर लगाम लगाने की योजना बना रही है।

कमजोर सीटों पर बीजेपी का फोकस

छत्तीसगढ़ में घोषित सीटों में पाटन सीट भी शामिल है, जहां से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सांसद हैं, बीजेपी ने दुर्ग के मौजूदा सांसद विजय बघेल को मैदान में उतारा है, जो पहले एक बार भूपेश बघेल को हरा चुके है, विजय बघेल और भूपेश बघेल रिश्तेदार हैं। मध्य प्रदेश में घोषित कई सीटें ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की हैं, जहां बीजेपी को लगता है कि वह कमजोर स्थिति में है, घोषित उम्मीदवारों में से एक सुमाओली से ऐदल सिंह कंसाना हैं, जो पूर्व कांग्रेस नेता हैं, मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे, कंसाना नवंबर 2020 में विधानसभा उपचुनाव हार गए थे। मध्य प्रदेश में जारी लिस्ट में 21 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, इनमें 13 अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटें और आठ अनुसूचित जाति (एससी) सीटें है। इसमें पांच महिला उम्मीदवार भी हैं। बीजेपी के एक नेता ने कहा कि हम कुछ चुनौतीपूर्ण सीटों पर हारने के बाद से अपने कार्यकर्ताओं को जुटाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमने उम्मीदवारों की घोषणा जल्दी कर दी क्योंकि इन सीटों पर कई उम्मीदवार उभर कर सामने आ रहे है, हमने स्पष्टता के लिए और अंदरूनी कलह को रोकने के लिए लिस्ट की घोषणा की। सीटों के लिए इस लड़ाई को जल्द ही निपटा लिया जाएगा। मध्य प्रदेश में बीजेपी विभिन्न गुटों के बीच अंदरूनी कलह से जूझ रही है, इससे पार्टी के प्रचार अभियान में गृह मंत्री अमित शाह की सीधी भागीदारी हो रही है, पार्टी शिवराज सिंह चौहान के लंबे कार्यकाल के कारण पैदा हुए थकान फैक्टर से भी जूझ रही है, चौहान 2003 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। बीजेपी की लिस्ट में कुछ पूर्व विधायक शामिल हैं जो पिछला चुनाव हार गए थे या तब उन्हें मैदान में नहीं उतारा गया था। इनमें गोहद से पार्टी के अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा के प्रमुख लाल सिंह आर्य शामिल हैं, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष ललिता यादव छतरपुर से चुनाव लड़ रही हैं। राऊ से मधु वर्मा, पेटलावद से निर्मला भूरिया, कसरावद से आत्माराम पटेल, पथरिया से लखन पटेल, गुन्नौर से राजेश वर्मा, चित्रकूट से सुरेंद्र सिंह गहरवार, शाहपुरा से ओमप्रकाश धुर्वे, सौंसर से नानाभाऊ मोहोद, महेश्वर से राजकुमार मेव, सुमावली से अदल सिंह कंसाना हैं।

केजरीवाल इस बार भी नाकाम होंगे : भूपेश बघेल

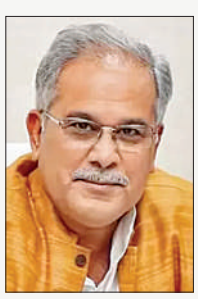

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ चैनल लॉन्च कार्यक्र म में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल से सवाल किया गया कि इंडिया में कांग्रेस और आप साथ में हैं लेकिन केजरीवाल यहां आकर प्रचार भी कर रहे हैं?. इस पर भूपेश बघेल ने कहा, मुझे जानकारी नहीं है कि बंगलौर में क्या बात हुई है, मैं वहां नहीं था। ये सब राष्ट्रीय स्तर पर फैसले होंगे। राज्य में जो चुनाव हो रहे हैं तो इसके बारे में बात नहीं हुई है, केजरीवाल आए हैं तो आएं उससे फर्क नहीं पड़ता। इस कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सवाल किया। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी मैं एक बात पूछता हूं,मोहल्ला क्लीनिक बनाए हैं तो कितने लोगों की जिंदगी बचाई? जबकि छत्तीसगढ़ हाट बाजार क्लीनिक में कई जिंदगियां बचाई गईं,दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी रही, वहीं हम 6 राज्यों को ऑक्सीजन दे रहे हैं।

बीआरएस ने जारी की 115 उम्मीदवारों की लिस्ट

तेलंगाना

बीआरएस के अध्यक्ष और तेलंगाना के सीएम केसीआर केसीआर) ने आगामी चुनाव के लिए बीआरएस के 115 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में सात प्रत्याशी बदले गए हैं। सीएम केसीआर दो सीटों गजवेल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने लिस्ट जारी करते हुए कहा कि हम 16 अक्टूबर को वारंगल में अपना पार्टी का घोषणापत्र जारी करेंगे। जो कोई भी पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया जाएगा उसे पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। सीएम केसीआर ने आगामी चुनावों में 95-105 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की है। राज्य सरकार में मंत्री और सीएम के बेटे केटीआर सिरसिला से चुनाव लड़ेंगे। तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। बीआरएस ने चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही लिस्ट जारी कर दी है। बीआरएस प्रमुख के.चंद्रशेखर राव ने आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए कहा कि एआईएमआईएम से हमारी मित्रता जारी रहेगी। बीआरएस की ओर से जारी की गई इस लिस्ट में सिरपुर से कोनेरू कोनप्पा, चेन्नूर (एससी) से बाल्का सुमन, बेल्लमपल्ली (एससी) से दुर्गम चिन्नैया, मंचेरिल से नदीपेल्ली दिवाकर राव, आसिफाबाद (एसटी) से कोवा लक्ष्मी को टिकट दिया गया है।इस लिस्ट में खानापुर (एसटी) से भुक्या जॉनसन राठौड़ नाइक, आदिलाबाद से जोगु रमन्ना, बोथ (एसटी) से अनिल जाधव, निर्मल से अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी, मड्होल से गद्दीगारी विट्ठल रेड्डी, बांसवाड़ा से पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, बोधन से मोहम्मद शकील आमिर को मैदान में उतारा गया है। इनके अलावा जुक्कल (एससी) से हनमंत शिंदे, येल्लारेड्डी से जाजला सुरेंद्र, निजामाबाद शहरी से बिगाला गणेश गुप्ता, निजामाबाद ग्रामीण से गोवर्धन बाजीरेड्डी, बालकोंडा से वेमुला प्रशांत रेड्डी को टिकट दिया गया।

2018 में मप्र में कांग्रेस से कम सीटे थी

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 230 सदस्यीय विधानसभा में 114 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी ने 109 सीटें जीती थी। बीजेपी ने एसटी सीटों पर अपने खराब प्रदर्शन को एक कारण बताया था। कांग्रेस ने कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाई थी, लेकिन बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीजेपी में शामिल होने के बाद वह सत्ता से बाहर हो गई थी, निवर्तमान सदन में बीजेपी के 126 विधायक हैं जबकि कांग्रेस के 96 विधायक हैं। सत्ता में लौटने के बाद से बीजेपी ने एसटी और महिलाओं के लिए योजनाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो कि आगामी चुनावों में गेमचेंजर साबित होगा।

हारे हुए प्रत्याशियों पर भी दांव

बता दें कि आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले राजकुमार करहरे को लांजी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। सवाल ये है कि हारे हुए प्रत्याशी को मैदान में क्यों उतारा जा रहा है। मध्य प्रदेश बीजेपी के सचिव रजनीश अग्रवाल कहते हैं- हमें किसी राजनेता को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ना चाहिए कि वह चुनाव हार गया, नहीं तो राजनीति में कई शीर्ष नेता मौजूद नहीं होंगे. हार जीत कोई मुद्दा नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि उम्मीदवारों का चयन कार्यकर्ताओं की भावनाओं, मतदाताओं की उम्मीदों और जीत की संभावना को ध्यान में रखते हुए किया गया है।वहीं भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा इन 39 उम्मीदवारों का चयन विधानसभा चुनावों के लिए युवा, अनुभवी और महिला उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया है।उन्होंने कहा, चुनाव प्रबंधन, समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित संगठन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में है. जो गरीबों के कल्याण के लिए योजनाओं को लागू कर रहे हैं और उनके जीवन को बदलने का काम कर रहे हैं. हमें यकीन है ये कदम पार्टी को भारी बहुमत हासिल कराएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्राकृतिक कहर देख, अब तो चेतना ही पड़ेगा

भारत के दो मुख्य पहाड़ी राज्यों हिमाचल व उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश ने लोगों का जीवन दुश्वारियों से भर दिया। इन राज्यों के लोग दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं। दोनों प्रदेशों की जनता पूरे देश से कटी हुई है। भूस्खलन से पहाड़ के पहाड़ दरक रहे हैं जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के मौसम में कमोवेश यही स्थिती बनती हर बार । सरकारों द्वारा बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं फिर सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है जबकि ऐसे गंभीर मुद्दे पर कुछ ठोस फैसला लेने की आवश्यकता है ताकि आगे ऐसी घटनाओं पर लगाम लग सके। सबसे पहले जो इन राज्यों अनाप-शनाप गलत निर्माणों पर अंकुश लगाना जरूरी है नहीं तो प्रकृति अपना कहर बरपाती रहेगी और हम उसके शिकार बनते रहेंगे। सरकारें ही आम जन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

स्थानीय लोग अपनी जान जोखिम में उबड़-खाबड़ रास्तों से जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं, बता दें कि उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते पंच केदार में शामिल भगवान कल्पेश्वर महादेव के दर्शनों को पिछले 20 दिनों से श्रद्धालु नहीं पहुंच पा रहे हैं। वहीं हेलंग उर्गम मोटर मार्ग 20 दिनों से जगह-जगह बंद होने के कारण उद्गम घाटी के दर्जनों गांव के लोगों को जान जोखिम में डालकर रास्ता तय करना पड़ रहा है। वही लगातार हो रही बारिश के कारण कई गांवों में जगह-जगह भू कटाव की घटनाएं भी बढ़ गयी हैं। इसके विपरित परिस्थितियों की परवाह ना करते हुए लोग जान हथेली पर रखकर आवागमन को मजबूर हैं। इसके अलावा गैस का संकट भी धीरे-धीरे गहराने लगा है। वहीं निर्माणधीन भैटा भर्की बांसा सड़क पर विभागीय लापरवाही के चलते कल्पेश्वर महादेव मंदिर को खतरा पैदा हो गया है, वहीं भैटा गांव के आठ परिवार भूस्खलन की चपेट में आ गए हैं। हेलंग उर्गम मोटर मार्ग बंद होने से पंचम केदार कल्पेश्वर महादेव पहुंचने वाले पर्यटकों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है, जिसके कारण पर्यटन से जुड़े हैं स्थानीय कारोबारियों और होटल मालिकों को भारी नुकसान हो रहा है. बता दें कि हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु उर्गम घाटी में पंचम केदार कल्पेश्वर महादेव, पंचबदरी ध्यान बदरी के दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। यहीं से पर्यटक वंशीनारायण, नन्दीकुंड, मध्यमहेश्वर रूद्रनाथ, गिन्नी ग्लेशियर, फ्यूलानारायण,सोना शिखर, चेनाप घाटी, और भनाई बुग्याल समेत 50 से अधिक ट्रैकरूट को जाते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भी काफी कमाई होती है। उम्मीद की जानी चाहिए आम लोग व सरकारें इन आपदाओं से सबक सीखेंगे और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने से बचेंगे।

बारिश के मौसम में कमोवेश यही स्थिती बनती हर बार । सरकारों द्वारा बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं फिर सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है जबकि ऐसे गंभीर मुद्दे पर कुछ ठोस फैसला लेने की आवश्यकता है ताकि आगे ऐसी घटनाओं पर लगाम लग सके। सबसे पहले जो इन राज्यों अनाप-शनाप गलत निर्माणों पर अंकुश लगाना जरूरी है नहीं तो प्रकृति अपना कहर बरपाती रहेगी और हम उसके शिकार बनते रहेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पहाड़ों के विध्वंसक संदेश से सबक लें

राजेश रामचंद्रन

किसी का घर भरभरा कर खाई में गिरते देखने का मंजर सबसे बुरे ख्वाब से भी डरावना है और इस किस्म के भयावह दृश्य इन दिनों हिमाचल प्रदेश में रोजाना की हकीकत बने हुए हैं। पहाड़ों की खूबसूरती को भुनाकर जल्द-से-जल्द पैसा बनाने की फितरत त्रासदी की दुखदायी दृश्यावली में तब्दील हो चुकी है। इस वीभत्स नाट्य में मुख्य खलनायक है बेलगाम लालच, जिसे विकास का नाम दिया गया है। बेशक, देश के समस्त हिस्सों के लोगों के लिए संपन्नता की गति कमोबेश एक-समान होनी चाहिए और कोई राज्य या अंचल पीछे छूटने न पाए। परंतु इसका यह मतलब नहीं कि मुल्क के सभी हिस्से एक जैसे हैं और जो तरीका दिल्ली-जयपुर हाईवे या मुम्बई-अहमदाबाद हाईवे की चौड़ीकरण प्रक्रिया में बरता जाता है वही चंडीगढ़-शिमला खंड में इस्तेमाल किया जाए। बस दिक्कत यहीं पर है।

आपदा में हुए अभूतपूर्व नुकसान से निपटने में लगे प्रशासन पर अंगुली उठाना फिलवक्त जल्दबाजी होगी। लेकिन यदि अभी आवाज न उठाई तो इसे भी जल्द भुला दिया जाएगा और फिर से वही निर्माण, और अधिक निर्माण वाला ढर्रा कायम रहेगा, यानी ढलानों को खड़ी धार में काटकर सड़कें बनाना, होटल बनाने के लिए चट्टानों को विस्फोट से उड़ाना, रेत-पत्थर का अंधाधुंध खनन, नदियों में मलबा बहाना और जहां मर्जी भवन बना डालना। हिमालय के पहाड़ बेलगाम निर्माण करने में लगे बिल्डरों को थमने को कह रहे हैं और यदि विध्वंस के रूप में आयी इस चेतावनी पर कान नहीं धरा तो नतीजा उससे भी भयावह होगा जो आज भुगत रहे हैं। इस मानसून में कम से कम 330 जानें गई हैं और 110 से अधिक भूस्खलन हुए हैं। अंदरूनी सड़कें बह चुकी हैं, अनेक गांव बाकी दुनिया से कटे पड़े हैं, बिजली आपूर्ति नदारद है, पेयजल और रसोई गैस की भारी किल्लत है। जब बात सीमावर्ती राज्य की हो तो सैन्य जरूरतें बिना शक सबसे पहली प्राथमिकता होती है। टैंक और अन्य भारी सैन्य उपकरण पहुंचाने को जल्द से जल्द सड़कें और पुल बनाने की दरकार है।

हालांकि पूर्वी लद्दाख में चीन से बनी तनातनी की स्थिति ने सिद्ध कर दिया है कि भारतीय वायुसेना सैनिक और साजो-सामान पहुंचाने में सड़क मार्ग के मुकाबले कहीं ज्यादा सक्षम है। वर्ष 2020 से लेकर 68000 सैनिक और 100 टैंक, 300 से ज्यादा बीएमपी

एवं इन्फैंट्री वाहन, तोपें, राडार और जमीन से हवा में मार करने वाली प्रणाली समेत 9,000 टन भारी सैन्य उपकरण वायु सेना ने सामरिक महत्व के 'पृथ्वी की छत' कहे जाने वाले इस इलाके में पहुंचाया है। भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर ढुढ्ढु और सी-130 जे सुपर हर्कुलिस विमान भारी उपकरण पहुंचाने में लगातार लगे रहे। तथापि, राष्ट्रीय सुरक्षा में सड़कों के महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं कहा जा सकता और न ही पर्यावरणीय आधार पर इनके निर्माण में नुक्स निकालने की जरूरत होती है। लेकिन केवल सैलानियों को जल्द पहुंचाने की खातिर सड़कों को चौड़ा करने की दलील अतार्किक है, खासकर वहां, जहां पर यह करना खतरे से खाली नहीं। उदाहरणार्थ, राष्ट्रीय राजमार्ग का परवाणु-सोलन खंड, जहां पहाड़ों की वर्टिकल कटिंग की वजह से आए दिन भूस्खलन देखने को मिलता है। एक आम आदमी भी देखकर जान लेगा कि पहाड़ अपनी स्थिरता बनाने लिए जहां कहीं जरूरत पड़ रही, अपनी ढलान खुद तराश रहे हैं। राजमार्ग बनाने वाले इंजीनियर एवं ठेकेदार रेत-पत्थर उठवा कर डंगे लगाते हैं, लेकिन यही काम अगले मानसून में एक और भूस्खलन बनने का सबब बनता है। पिछले पांच सालों से यह महंगा खेल जारी है। बेशक हिमाचल के आम नागरिक को भी कुछ खास परिस्थितियों में आवाजाही के तेज साधनों की जरूरत है। जैसे कि स्वास्थ्य आपात स्थिति। लेकिन इसका जवाब दिल्ली से पर्यटकों को भर-भरकर लाने वाली लंबी-चौड़ी बसों लायक सड़कें बनाने में नहीं है। इसका उत्तर तो अधिक हेलीपैड बनाकर बेहतर हवाई-संपर्क बनाने में और संभवत: एक या अधिक हवाई पट्टियां बनाने में है। पर्यटक इंतजार कर सकता है और करना भी चाहिए। वास्तव में, व्यापार की दृष्टि से, कुल्लू तक पहुंचने के दौरान यदि बीच में मंडी में रात रुकें तो और बेहतर होगा।

हिमाचल प्रदेश के स्थानीय लोगों की सबसे बड़ी शिकायत यह रहती है कि विकास योजनाएं पर्यटन उद्योग की मांग के मुताबिक तय की जाती है और यह बात सही भी है। केवल पांच साल पहले की बात है, जब एक होटल मालिक विजय ठाकुर ने सहायक नगर नियोजक शैल बाला की हत्या गोली मारकर कर दी थी।

अतिशय लालच से उपजी दुखों की श्रृंखला

सीताराम गुप्ता

पिछले दिनों एक निवेश कंपनी लोगों के तीन सौ करोड़ रुपये लेकर चंपत हो गई। कंपनी ने अपने निवेशकों को विश्वास दिलाया कि वे डेढ़ साल में उनकी रकम सत्ताईस से सौ गुना तक बढ़ा कर देंगे। कंपनी के निदेशकों के सब्जबाग में आकर अनेक लोगों ने उनके पास अपना पैसा जमा करवा दिया। उन्होंने कुछ दिनों तक लोगों को अच्छा पैसा दिया भी लेकिन तीन सौ करोड़ रुपये एकत्र करके वे एक दिन रातोरात गायब हो गए। कभी कोई एक महीने में रकम दोगुनी करने का वादा करता है तो कोई बाजार भाव से आधे पैसों में सामान देने का विश्वास दिलाता है। लेकिन क्या ये संभव है? हर्गिज नहीं। इस खुली प्रतियोगिता के जमाने में कोई कंपनी इतना लाभ कैसे कमा सकती है कि वो अपने निवेशकों के धन को हर महीने दोगुना कर दे?

फिर भी लोग इन घटनाओं से सबक क्यों नहीं लेते? क्यों बार-बार अपनी खून-पसीने की गाढ़ी कमाई इस प्रकार के लुटेरों के हाथों में सौंप देने को विवश हो जाते हैं? इसका प्रमुख कारण है हमारी अतिशय लोभवृत्ति जिसके कारण हम न तो कॉमन सेंस का इस्तेमाल करते हैं और न पुरानी घटनाओं से सीख ही लेते हैं। एक पुरानी घटना याद आ रही है। हर साल की तरह उस साल भी गांव में ठठेरे आए और गलियों में घूम-घूम कर आवाजें लगाने लगे कि टूटे-फूटे बर्तन संवरवा लो, बर्तनों पर कलई करा लो। घरों से टूटे-फूटे बर्तन बाहर निकलने लगे और होने लगा मोल-भाव। जो काम पहले दस रुपये में होता था, उस काम के लिए ये नए ठठेरे सिर्फ पांच रुपये मांग रहे थे। ये जानकर लोग खुश थे लेकिन फिर भी मोल-भाव हो रहा था। ठठेरे, जो जितना कहता, मान लेते और भाग-भाग कर बर्तन जमा करने लगे। देखते-देखते बर्तनों का अम्बार लग गया। धीरे-धीरे सांझ घिर आई। ठठेरे अपना खाना बनाने का जुगाड़ करने में लग गए और लोगों से कहा कि कल सुबह भट्ठी चालू करके बर्तनों की मरम्मत का काम शुरू करेंगे। लोग बर्तन देकर अपने-अपने कामों में लग गए। जो लोग उस समय घरों में नहीं थे, घर आने पर उन्होंने जब ये सुना कि इतने सस्ते में बर्तन मरम्मत हो रहे हैं तो वे भी अपने-अपने बर्तन लेकर ठठेरों के रुकने के स्थान पर पहुंचे। वहां जाकर देखा तो पाया कि न तो ठठेरे वहां मौजूद थे और न बर्तन ही रखे थे। अब लोगों की समझ में आया कि वे इतने कम दामों में बर्तन संवारने के लिए क्यों तैयार हो गए थे। लेकिन अब क्या हो सकता था?

जब भी हम लोभ या मुफ्त-लाभवृत्ति के वशीभूत हो जाते हैं तो ऐसा ही होता है। लेकिन सोचिए कि कोई किसी को मुफ्त में या बहुत कम कीमत में कोई चीज या सेवा कैसे उपलब्ध करा सकता है? क्या आप सामान्य अवस्था में ऐसा कर सकते हैं? नहीं न! तो कोई भी कैसे ऐसा कर सकता है और यदि कोई ऐसा करने का दिखावा करता है तो वह बहुत महंगा पड़ता है। अत: हानि और दुख से बचने के लिए लोभ का त्याग करना ही श्रेयस्कर है। लालच बुरी बला है लेकिन हम लालच के वशीभूत होकर एक असंभव बात को भी नकार नहीं पाते। लोभ हमारी आंखों पर मोटा परदा डाल देता है। मोटे ब्याज के लालच में मूलधन से भी हाथ धो बैठते हैं। लालचवश पहले तो गलत या अस्वाभाविक बात का विरोध नहीं कर पाते। जब भारी नुकसान हो जाता है तो विरोध करना संभव नहीं होता क्योंकि इससे हम स्वयं उपहास के पात्र बन जाते हैं।

अखबार इस प्रकार के नटवर लालों के कारनामों से भरे रहते हैं लेकिन हम नहीं चेतते। हमारी लोभवृत्ति के कारण ही रोज कोई न कोई नया ठग पैदा हो जाता है। कभी हम पैसा दुगना-तिगुना कराने के फेर में तो कभी जेवर बढ़वाने के चक्कर में लुट-पिटकर बैठ जाते हैं। कभी चिटफंड कंपनियां घोटाले करती हैं तो कभी प्लांटेशन कंपनियां। पिछले दशकों में प्लांटेशन कंपनियों ने भी निवेशकों को कम चूना नहीं लगाया। उनकी इन योजनाओं को बेचने वाले भी कम दोषी नहीं होते। एक प्लांटेशन कंपनी के एजेंट से एक बार पूछा गया कि क्या सचमुच इतनी रिटर्न मिल सकती है तो उसने कहा कि बिलकुल नहीं। फिर क्यों लोगों को ये स्कीमें बेचते हो? उसने कहा कि मोटा कमीशन मिलता है। क्या कमीशन के लिए हम कुछ भी करने लग जाएं? न तो हमें कमीशन के लिए गलत काम करना चाहिए और न ही अधिक लाभ के चक्कर में बेवकूफ बनना चाहिए।

वैसे निवेशक ही नहीं, ठगने वाले भी कम घाटे में नहीं रहते। आज तक कोई नटवर लाल कानून के शिकंजे से बच नहीं सका है फिर भी नए लोगों के इस धंधे में आ जाने का कारण उनकी भी अतिशय लोभवृत्ति ही है। हम लोभ के दुष्चक्र में फंसकर डूब न जाएं, इसके लिए जरूरी है कि हम सामान्य बुद्धि का प्रयोग करते हुए गलत चीज का शुरू से ही विरोध करें और उससे दूर रहें। यदि हम छोटे-मोटे लालच में नहीं पड़ेंगे तो सदा के लिए बड़े धोखों और नुकसान से बचे रहेंगे। लोभवृत्ति ही नहीं अपितु मुफ्त-लाभवृत्ति, आत्मप्रशंसा तथा खुशामद करवाने की आदत, अहंकार, प्रकृति के नियमों के विरुद्ध जाना ऐसी आदतें हैं जो एक दिन हमारे पतन का कारण बनती हैं। अतिशय लोभ की प्रवृत्ति से बचकर ही हम इन दुर्गुणों से बचे रहकर सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

अदरक

कई बीमारियां रहेंगी दूर

अदरक हर घर में इस्तेमाल होने वाला कच्चा मसाला है। यह सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। इसके गुणों और पोषक तत्वों की वजह से इसे एक पावरफुल जड़ी बूटी माना जाता है। अगर बात करें अदरक के पोषक तत्वों की तो यह कार्बोहाइड्रेट (18 ग्राम प्रति 100 ग्राम), प्रोटीन 2 ग्राम प्रति 100 ग्राम), विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक जैसे जरूरी तत्वों का भंडार है। इसके औषधीय गुण जीवनशैली से जुड़ी कई आम समस्याओं सहित गंभीर रोगों से बचाने और उन्हें दूर करने में मदद कर सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि अदरक में पेट के रोगों का इलाज करने, वजन कम करने, सर्दी-खांसी से राहत दिलाने और ब्लड प्रेशर को काबू करने की ताकत होती है। बस आपको अदरक का इस्तेमाल करना आना चाहिए। अदरक खाने के कई फायदे हैं बस इसका सेवन सही तरीके से करें।

पाचन को बनाता है बेहतर

अदरक में जिंजरोल नामक तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन प्रणाली मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इसे खाने से गैस, एसिडिटी, पेट फूलना या ब्लोटिंग, तेज़ाब बनना आदि से राहत मिलती है। इसमें शोगोल नामक गुणकारी तत्व होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

तनाव कम करे

अदरक के सेवन से मानसिक तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है और आपके मानसिक स्वास्थ्य को सुधार सकती है। इसके अलावा अदरक में पाये जाने वाले विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

बीपी करे नियंत्रित

अदरक में पाये जाने वाले पोटैशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व शरीर की भीतरी संरचनाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और विभिन्न बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकते हैं।

डायबिटीज करे कंट्रोल

अदरक के नियमित सेवन से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। अदरक का सेवन वजन कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि यह पाचन क्रिया के साथ साथ मेटाबोलिज्म को भी बढ़ाता है।

सर्दी-खांसी और संक्रमण में कारगर

अदरक खांसी, सर्दी और जुकाम के लिए एक प्राकृतिक उपचार के रूप में इस्तेमाल होता है। अदरक में मौजूद शक्तिशाली तत्व विषाणुओं के खिलाफ लड़ने में मदद कर सकते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं। खांसी और सर्दी-जुकाम, गला खराब होना और बहती नाक के अधिकतर दौर दवा की आवश्यकता के बिना ही ठीक हो जाते हैं। लेकिन कभी-कभार ये बीमारियाँ न्युमोनिया के लक्षण होते हैं, जो फेफड़ा का संक्रामक रोग है।

सेवन के सही तरीके

खाने में डालने के अलावा अदरक के टुकड़े को उबालकर चाय में मिला सकते हैं और इसमें शहद या नींबू डालना न भूलें। आप अदरक की चटनी या अचार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। अदरक के टुकड़े को सूखाने से उसके विटामिन, मिनरल्स और अन्य पोषण तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है। ताजा अदरक सबसे अच्छा होता है, क्योंकि इससे आपको इसके सभी पोषण तत्व मिलते हैं। ताजा अदरक के टुकड़ों को ब्लेंडर में पीसकर उसका जूस निकाल सकते हैं और उसे खाने से पहले पी सकते हैं। अदरक को सलाद में डालकर खाने के स्वाद को और भी बेहतर बना सकते हैं और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सुबह खाली पेट अदरक का जूस पीने से पाचन प्रणाली स्वस्थ रहती है और आपके शरीर को स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

हंसना मना है

दुकानदार- मैंने आपको दुकान की एक-एक चप्पल दिखा दी, अब तो एक भी बाकी नहीं है। महिला- वो सामने वाले डिब्बे में क्या है? दुकानदार-बहन, रहम कर थोड़ा, उसमें मेरा खाना है?

पायलट विमान से उड़ान भरने के तुरंत बाद यात्रियों का स्वागत कर रहा था आज सुबह हमारे साथ उड़ान भरने के लिए धन्यवाद! मौसम साफ है.. अचानक पायलट, चीखना शुरू कर देता है, जबकि वह अभी भी स्पीकर पर है, हे भगवान! जल गया ,जल गया, जल गया, एक भयंकर डरावनी खौफ़नाक गहरी चुप्पी छा गई! सभी डर से कांपने लगे। थोड़ी देर में वो पायलट फिर से यात्रियों से बात करने माइक्रोफोन पर वापस आ जाता है-मैं माफी चाहता हूं, मैंने अपनी गोद में बहुत गर्म कॉफी गिरा ली थी, आप मेरी पैंट देख सकते हैं। एक यात्री की आवाज - कमीने! तू यहां आ कर हमारी पैंट देख!

लड़का आधा किलो जलेबी खाके बिना पैसे दिए जाने लगा, दूकानदार-ओ भाई पैसे? लड़का- नहीं हैं! दुकानदार ने उसे कूट दिया? वो उठकर कपड़े झाड़ते हुए बोला.. भैया इसी भाव में एक किलो और तौल दो?

कहानी — प्रणाम का महत्व

महाभारत का युद्ध चल रहा था, एक दिन दुर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर भीष्म पितामह घोषणा कर देते हैं कि मैं कल पांडवों का वध कर दूंगा। उनकी घोषणा का पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ जाती है। भीष्म की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था, इसलिए सभी किसी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गए। तब, श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा- अभी मेरे साथ चलो। श्रीकृष्ण द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह के शिविर में पहुंच गए। शिविर के बाहर खड़े होकर उन्होंने द्रोपदी से कहा कि अन्दर जाकर पितामह को प्रणाम करो। द्रौपदी ने अन्दर जाकर पितामह भीष्म को प्रणाम किया तो उन्होंने अखंड सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद दे दिया। फिर उन्होंने द्रोपदी से पूछा कि पुत्री, तुम इतनी रात में अकेली यहां कैसे आई हो? क्या तुमको श्रीकृष्ण यहां लेकर आये है? तब द्रोपदी ने कहा हां! और वे कक्ष के बाहर खड़े हैं तब भीष्म भी कक्ष के बाहर आ गए। और दोनों ने एक दूसरे को प्रणाम किया। भीष्म ने कहा- मेरे एक वचन को मेरे ही दूसरे वचन से काट देने का काम श्रीकृष्ण ही कर सकते है। शिविर से वापस लौटते समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा- तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है। अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य, आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन, दुःशासन, आदि की पत्नियां भी पांडवों को प्रणाम करती होतीं तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती। अर्थात वर्तमान में, घरों में जो इतनी समस्याएं हैं, उनका भी मूल कारण यही है। जाने अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है। यदि घर के बच्चे और बहुएं प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो, शायद किसी भी घर में कभी कोई क्लेश न हो। बड़ों के दिए आशीर्वाद बच्चों के लिये कवच की तरह काम करते हैं। उनको कोई अस्त्र-शस्त्र नहीं भेद सकता। सभी इस संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें, तो घर स्वर्ग बन जाये।

7 अंतर खोजें

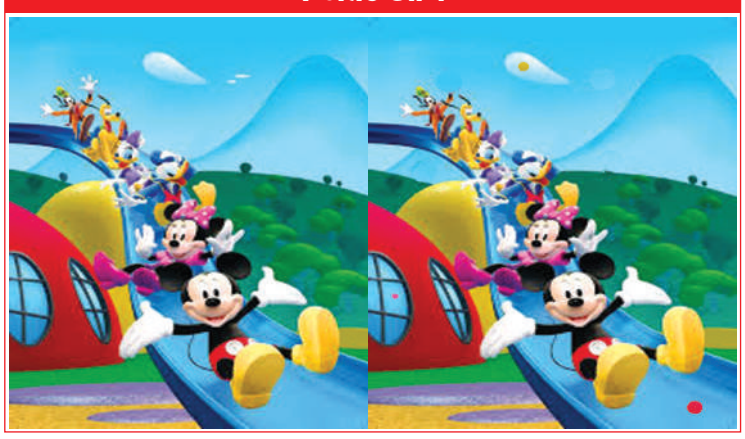

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क

घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह

नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर

हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन

आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

आदिल ने लगाए राखी पर आरोप बोले- बहुत तकलीफें झेली हैं मैंने

राखी सावंत के पति आदिल खान जेल से रिहा हो चुके हैं। जेल से बाहर आते ही आदिल ने राखी सावंत पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि राखी ने उनका बहुत शोषण किया। इतना ही नहीं आदिल ने राखी पर अपना न्यूड वीडियो बनाए जाने का भी आरोप लगाया है। आदिल का कहना है कि उन्हें ड्रग्स दिया गया था। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि राखी सावंत अपनी मां के कैंसर के नाम पर लोगों को लूटती थीं! बता दें कि राखी सावंत ने इस्लाम कुबूल करने के बाद आदिल से शादी रचाई थी, मगर कुछ वक्त बाद दोनों की शादीशुदा जिंदगी पटरी से उतर गई। राखी ने आदिल पर मारपीट और घरेलू हिंसा के आरोप लगाए थे, जिसके बाद आदिल को सलाखों के पीछे जाना पड़ा था। अब वह बाहर आ गए हैं और उन्होंने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आदिल ने खुलासा किया राखी ने उनका न्यूड वीडियो बनाया था। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस अपनी मां के कैंसर के नाम पर लोगों को लूटती थीं और हर महीने एक-दो लाख रुपये का डोनेशन लेती थीं। जेल से बाहर आने के बाद आदिल खान दुर्रानी ने एक पोर्टल को दिए इंटरव्यू में राखी पर कई हैरान करने वाले आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा बहुत तकलीफें झेली हैं मैंने बता नहीं सकता कि इन छह महीनों में मेरे ऊपर क्या बीती है। मां और पापा समेत पूरे परिवार ने क्या झेला है, मैं नहीं बता सकता। लेकिन मैं खुश हूं कि बाहर हूं और बता सकता हूं कि मेरे साथ क्या हुआ था। आदिल ने कहा कि वह राखी की पूरी सच्चाई सबके सामने लेकर आएंगे। राखी ने उन्हें केस में फंसाया, उन्हें किस कारण से जेल जाना पड़ा। इंटरव्यू के दौरान आदिल ने कहा कि राखी जैसी औरतें होती हैं ना उनसे बात करना भी बहुत खतरनाक है। आदिल ने कहा, राखी मेरे से 19 साल बड़ी है। मैं उसे इतना प्यार करता था। उसकी मां को भी मैं बहुत प्यार करता था। सच कहूं तो मैं उसकी मां का फेवरेट इंसान था। आदिल ने यह भी कहा, राखी ने मेरा न्यूड वीडियो बनाया और कहा कि मेरा और आदिल का बच्चा गिर गया। लेकिन वह प्रेग्नेंट नहीं हो सकती। कुछ दिक्कत की वजह से उसने अपना यूट्रस रिमूव कराया था।

पूंजीवाद ने हमें सिर्फ सामान बेचना सिखाया : कंगना रनौत

अभिनेत्री कंगना रनौत सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिए एक्ट्रेस फैंस को अपनी फिल्मों की जानकारी देने के अलावा तमाम अन्य मसलों पर भी चर्चा करती दिखती हैं। इसके अलावा वह बॉलीवुड के चर्चित सितारों की पोल भी खोलने में माहिर हैं। हाल ही में, कंगना ने पूंजीवाद के बारे में बात की और खुलासा किया कि उनके पास सनस्क्रीन नहीं है। कंगना रनौत हमेशा अपने बयानों से सुर्खियां बटोरने के लिए हर मौके का इस्तेमाल करती हैं। एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर बोल्ड और विवादित राय पोस्ट करती रहती हैं और साथ ही बॉलीवुड स्टार्स को ट्रोल भी करती रहती हैं। अब हाल ही में, कंगना ने पूंजीवाद के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि वह सनस्क्रीन का उपयोग नहीं करती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सूर्य हमारे देवता हैं और उनसे डरना नहीं चाहिए।

बॉलीवुड | मसाला

कंगना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पूंजीवाद पर अपने विचार रखते हुए लिखा, 'पूंजीवाद ने हमें सिर्फ सामान बेचने के लिए कई चीजें सिखाई हैं और उनमें से सबसे खराब सनस्क्रीन है। यह लोग हमें सूरज और उसके संपर्क से डरना सिखाया जाता है। मुझे समझ में नहीं आता है कि आखिर लोगों को यह सब बेकार की बातें सिखाई क्यों जाती हैं। सूरज से डरने की कोई बात नहीं है। मैं तो नहीं डरती हूं और न ही मेरे पास सनस्क्रीन है। आज के युग में अगर आपको सूरज की रोशनी मिलती है तो यह आपके लिए पार्टी है।'कंगना रणौत की अपकमिंग फिल्मों की एक लंबी कतार है, जिसका उनके चाहने वाले बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह जल्द ही तेजस, इमरजेंसी और चंद्रमुखी 2 में नजर आएंगी। ये तीनों फिल्में इसी साल रिलीज होगी। कंगना की चंद्रमुखी 2 जहां 19 सितंबर 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, वहीं तेजस की रिलीज डेट 20 अक्टूबर है।

आर्मी ऑफिसर के रोल में जल्द नजर आयेंगे सलमान खान

सलमान खान के फैंस उनकी आगामी फिल्म टाइगर 3 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर भी अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। हाल ही में सलमान खान बाल्ड लुक में नजर आए। एक्टर के लुक ने उनकी अगली फिल्मों को लेकर बज क्रिएट कर दिया है। अब नई खबरें आ रही हैं कि सलमान खान आर्मी ऑफिसर का रोल अदा करते नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान करण जौहर और विष्णु वर्धन की अगली फिल्म में आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आ सकते हैं। फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं है। बता दें कि विष्णु वर्धन के निर्देशन में बनी शेरशाह को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। अब फैंस उनकी अगली फिल्म के लिए उत्साहित हैं। बता दें कि फिल्म शेरशाह में करगिल वॉर को जिस तरह दिखाया गया, उसे काफी पसंद किया गया। अब निर्देशक अपनी अगली फिल्म भी भारतीय सेना पर केंद्रित बनाने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इसमें सलमान खान आर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू हो जाएगी। सलमान खान ने तैयारी शुरू कर दी हैं। सलमान खान फिल्म में अपने रोल के लिए फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं। वह एक आर्मी ऑफिसर के जैसी कद-काठी में ढलने के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वह आर्मी कट हेयरस्टाइल में नजर आएंगे, जैसा कि उन्हें हाल में भी इस लुक में देखा गया है। इस फिल्म को अगले साल क्रिसमस पर रिलीज किए जाने की तैयारी है।

करण जौहर और विष्णु वर्धन की अगली फिल्म में मिल सकती है भूमिका

अजब-गजब | रहस्यमय है इस समुदाय की कहानी!

शक्ल इंसानों जैसी और पांव में होती हैं सिर्फ दो उंगलियां

दुनिया कोई छोटी नहीं है, ऐसे में यहां रहने वाले भी तरह-तरह के लोग होते हैं। किसी कोने में कुछ चल रहा होता है तो किसी दूसरे कोने में कुछ और एक जगह पर बैठे हुए लोग ये समझ भी नहीं पाते हैं कि दुनिया की ही किसी और जगह पर कुछ अलग कल्चर हो सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही लोगों के बारे में बताएंगे, जिनकी एक अजीब ही खासियत है। आप इसे खासियत कहेंगे या फिर कमी, ये आप खुद ही तय कर लीजिए लेकिन एक ऐसी जनजाति है, जिनकी पूरी नस्ल ही एक अजीब समस्या से गुजर रही है। इनकी शक्ल-सूरत को इंसानों की ही तरह है लेकिन आप पैर देखते ही दंग रह जाएंगे। इन लोगों के पैरों की बनावट हमारी तरह 5 उंगलियों और पंजों की न होकर सिर्फ 2 उंगलियों वाली है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक डोमा ट्राइब के नाम से मशहूर इस जनजाति के लोगों को वाडोमा या फिर बंतवाना ट्राइब के नाम से जाना जाता है। इन्हें अक्सर ऑस्ट्रिच पीपल भी कहा जाता है क्योंकि इनके पैर ऑस्ट्रिच के जैसे होते हैं। ये जनजाति जिम्बॉब्वे के कान्येम्बा रीजन में पाई जाती है। इस पूरे समुदाय को एक खास जेनेटिक डिसऑर्डर है, जिसे Ectrodactyly कहा जाता है।

इस कंडीशन की वजह से ही इनके पैरों में 5 के बजाय कुल 2 उंगलियां ही होती हैं इस जेनेटिक म्यूटेशन को लोब्सटर क्लॉ सिंड्रोम के नाम से जानते हैं। इसमें पैरों से एक या कई उंगलियां जन्म से ही मिसिंग हो जाती हैं। माना जाता है कि डोमा ट्राइब के हर चौथे बच्चे को ये दिक्कत होती है, ज्यादातर लोगों के पैरों के बीच की 3 उंगलियां गायब होती हैं। हालत ये है कि अब इस जनजाति के लोग दूसरे समुदाय में शादी भी नहीं कर सकते हैं क्योंकि उन्हें कानूनी तौर पर इसकी मनाही की गई है। ये लोग न तो ठीक से चल पाते हैं और न ही जूते पहन पाते हैं। सिर्फ पेड़ों पर चढ़ने के मामले में इनका कोई तोड़ नहीं होता।

दुनिया का इकलौता जीव, जिसका लाखों रुपये लीटर में बिकता है खून

धरती तमाम रहस्यमय चीजों से भरी हुई है। यहां कई अनोखी जगह, अनोखे जीव मौजूद हैं। जब भी इनके बारे में जानकारी सामने आती है, लोग दंग रह जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे से जीव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका खून दुनिया में सबसे महंगा है। इतना ही नहीं, इंसान हों या जीव सबके खून का रंग लाल होता है, लेकिन इसके खून का रंग बिल्कुल अलग है। हम बात कर रहे उत्तरी अमेरिका के समुद्र में पाए जाने वाले एक केकड़े की। हार्सशू क्रैब नाम का यह जीव सामान्य केकड़े की तरह ही नजर आता है, लेकिन इसके 10 पैर और 10 मुंह होते हैं। घोड़े के नाल की तरह दिखने की वजह से इसका नाम हार्सशू क्रैब पड़ा। इसका खून अमृत माना जाता है, क्योंकि इसके जरिए शरीर में मौजूद खराब बैक्टीरिया की पहचान की जाती है। किसी भी खतरनाक बैक्टीरिया के बारे में यह एकदम सटीक जानकारी देता है। कई दवाओं के दुष्प्रभाव के बारे में भी इससे पता चल सकता है। मेडिकल साइंस में इसके खून की डिमांड इतनी ज्यादा है कि यह लगभग 10 लाख रुपये प्रति लीटर बिकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खून निकालने के लिए हर साल 5 लाख से ज्यादा हार्सशू क्रैब को मार दिया जाता है। दरअसल, इसके खून में कॉपर बेस्ड हीमोस्याइनिन होता है, जो ऑक्सीजन को शरीर के सारे हिस्से में ले जाता है। **नीला होता खून का रंग**-आप जानकर हैरान होंगे कि जहां इंसानों और अन्य जीवों के खून का रंग लाल होता है, वहीं हार्सशू क्रैब के खून का रंग नीला होता है। यह दुनिया का इकलौता जीव है, जिसके खून का रंग नीला है। हार्सशू क्रैब में मांस अधिक नहीं होता, लेकिन जापान और ताइवान में इसे खूब खाया जाता है। रसोइये अक्सर इसके व्यंजन में अंडे मिलाते हैं। एक और खास बात हार्सशू केकड़े में बहुत कम विषाक्त पदार्थ होते हैं।

पागल हैं शरद पवार, बीजेपी सरकार में घुस गए : केसीआर

तेलंगाना सीएम केसीआर के बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए 119 में से 115 सीट के लिए उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। इस दौरान केसीआर ने एनसीपी और कांग्रेस, दोनों पर निशाना साधा। वहीं केसीआर ने बीजेपी पर वार से बचने का प्रयास किया। केसीआर ने एनसीपी चीफ शरद पवार को निशाने पर लिया। इतना ही नहीं तेलंगाना सीएम के चंद्रशेखर राव ने शरद पवार को पागल तक कहा। अब उनके इस बयान को लेकर सियासत शुरू हो गई है।

केसीसीआर ने कहा कि वह एनसीपी और कांग्रेस दोनों को ही पागल समझते हैं। उन्होंने कहा कि कोई कुछ भी कहे। शरद पवार महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ गठबंधन में थे। जब मैं महाराष्ट्र गया तो शरद पवार मुझे बीजेपी की टीम कहने लगे। 15 दिन के अंदर वह सीधे बीजेपी सरकार में घुस गए। ऐसे लोगों को हम क्या कहेंगे? पागल। मुख्यमंत्री ने सूर्यपेट जिले में नगर पालिका के लिए 50 करोड़ रुपये, शेष चार नगर पालिकाओं के लिए 25 करोड़ रुपये, 475 पंचायतों के लिए 10 लाख रुपये, एक नया पॉलिटेक्निक महिला कॉलेज भवन, खेल स्टेडियम और खेल स्कूल, आर एंड बी गेस्ट हाउस भवन और सड़कों के विकास का भी वादा किया। उन्होंने लोगों से पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले की 12 विधानसभा सीटों पर बीआरएस की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। बीआरएस सरकार द्वारा 2016 रुपये के मुकाबले कांग्रेस द्वारा 4,000 रुपये पेंशन देने के वादे का जिक्र करते हुए केसीआर ने कहा कि कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक में ऐसी कोई पेंशन योजना नहीं है। अलग-अलग राज्यों में पेंशन पर एक पार्टी की अलग-अलग नीतियां कैसे हो सकती हैं? अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार पेंशन के रूप में केवल 200 रुपये देगी। बीआरएस पेंशन राशि भी बढ़ाएगी और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

कांग्रेस आई तो पिराविकार राज आ जाएगा

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो पिराविकार (दलाल) राज वापस आ जाएगा क्योंकि उन्होंने धरणी भूमि प्रबंधन प्रणाली को समाप्त करने का वादा किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 50 वर्षों में रायथू बंधु, रायथू बीमा, कल्याण लक्ष्मी और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में क्यों नहीं सोचा। बीसी समुदाय के प्रत्येक पात्र लाभार्थी को 1 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान मिलेगा। शेष फसल ऋण माफी और रायथू बंधु अनुदान जल्द ही जारी किए जाएंगे। मेरा विश्वास कीजिए, बीआरएस एक बड़े जनादेश के साथ सत्ता में वापस आने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर गांवों में 24×7 मुफ्त बिजली देने के लिए हमला किया, लेकिन उनका भाषण लोगों को सबसे पुरानी पार्टी के वादों के झांसे में न आने के लिए आगाह करने पर केंद्रित था। उन्होंने आगाह किया, कांग्रेस आपको केवल तीन घंटे की बिजली देगी और भाजपा कृषि मोटरों पर मीटर लगाने पर जोर दे रही है।

उत्तराखंड में भूस्खलन से चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भारी बारिश की चेतावनी के बीच स्कूल बंद

देहरादून। मौसम कार्यालय ने कहा कि भारी बारिश के कारण भूस्खलन, अचानक बाढ़ और नदियों और नालों में जल स्तर में वृद्धि हो सकती है, इसके अलावा खड़ी फसलों, फलों के पौधों और युवा पौधों को नुकसान हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 22-24 अगस्त तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम कार्यालय ने कहा कि भारी बारिश के कारण भूस्खलन, अचानक बाढ़ और नदियों और नालों में जल स्तर में वृद्धि हो सकती है, इसके अलावा खड़ी फसलों, फलों के पौधों और युवा पौधों को नुकसान हो सकता है। पहाड़ी राज्यों में पिछले कुछ महीनों में लगातार बारिश के कारण व्यापक तबाही और मौतें देखी गई हैं। पुलिस ने कहा कि उत्तराखंड के टिहरी जिले के चंबा में भूस्खलन की चपेट में आने से दो महिलाओं और एक 4 महीने के बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नवनीत सिंह भुल्लारेड ने कहा कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं और एक अन्य लापता व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

अभ्युदय कोचिंग का उद्घाटन बन सकेंगे आईएएस व पीसीएस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश के द्वारा आई.ए.एस./पी.सी.एस., नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निशुल्क संचालित 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग' का उदघाटन किया गया। उदघाटन असीम अरुण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण विभाग,ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सनोबर हैदर द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु संचालित योजना 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग' के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, प्रो. सुधीर कुमार चौहान ने 'अभ्युदय कोचिंग' के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को कड़ी-मेहनत करने, धैर्य बनाये रखने एवं सफलता की शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि अरुण असीम 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग' योजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं इसके व्यापक सफलता पर प्रकाश डाला, उन्होंने यह भी बताया कि यह योजना हाइब्रिड मोड पर गतिमान है जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा आफलाइन कक्षायें ली जाती हैं एवं 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग' के यू-टियूब चैनल एवं वाट्स-अप ग्रुप पर पाठ्य सामग्री प्रेषित की जाती है। इस योजना से सफल छात्र-छात्राएं भी चयन के पश्चात अपने विषय से सम्बंधित विडियो बनाकर यू-टियूब चैनल एवं वाट्स-अप ग्रुप पर पोस्ट करते हैं जो कि योजना के सफल होने में एक विशेष कड़ी का कार्य करता है।

महिला समाख्या कर्मी भुखमरी की कगार पर

सरकार ने लगाई मदद की गुहार, मांगे न मानने पर महाधरना जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला समाख्या कार्यक्रम से जुड़े कर्मियों ने अपनी मांगे न माने जाने के बाद धरना प्रदर्शन किया है। कर्मचारियों ने बताया कि प्रदेश के सैकड़ों निराश्रित महिलाएं सामाख्या से जुड़ी हैं। इन कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं का निराकरण करने के लिए मुख्यमंत्री,व उपमुख्यमंत्रियों से गुहार लगाई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित विगत 33 वर्षो से चलाया जाने वाला महिला सशक्तीकरण एवं जेण्डर समानता हेतु चलाया जाने वाला सरकार अपना एक अनोखा अकेला कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम को 9 जनवरी-2017 में उत्तर प्रदेश द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा पूर्ण रूप से मूल रूप में अंगकृत कर किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत: लगभग 800 कर्मचारी लगातार जुड़े हुए है जिसमें ज्यादातर एकल विधवा एवं अविवाहित जीवन जीकर विभिन्न वाह्य जनपदों में अपने परिवार की जीवकोपार्जन हेतु संघर्षपूर्ण जीवन जी रही है। इन परिवारों में शिक्षा हेतु बच्चों का नामांकन, परिवार में स्वास्थ्य एवं इलाज एवं सामाजिक दायित्वों की मूर्ति न करके भूखमरी की कगार पर है। 19 जनपदों की ढाई लाख से ज्यादा महिलाएँ एवं किशोरियों घरेलू हिंसा से पीड़ित होकर अपनी आवाज को घर के अन्दर दबाने को मजबूर हैं।

सरकार द्वारा 25 जून 2020 को शासनादेश जारी कर तत्काल प्रभाव से महिला समाख्या कार्यक्रम को वन स्टाप सेंटर एवं महिला सशक्तीकरण में समेकित रूप से समाहित कर संचालित करने का निर्णय लिया गया है परन्तु वर्तमान समय तक इसका अनुपालन नही किया गया है जिससे सभी कार्यकर्ताएं भूखमरी के कगार पर पहुँच कर मरने की स्थिति पर पहुँच गये हैं। अत: कोई आशा की किरण न दिखाई देने पर कार्यकर्ता कुछ भी कदम उठाने को मजबूर है, जिसके लिए शासन तंत्र जिम्मेदार है। दिनांक 13 अगस्त-2023 से हमारी टीम द्वारा इको गार्डन में शान्तिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठी। जिलाधिकारी व समाचार मीडिया के माध्यम से पूर्व में भी इस सम्बनध में सूचना सरकार स्तर पर दिया गया है। परन्तु आज तक शासन स्तर से कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुआ है।

राहुल और अय्यर टीम में, तिलक को भी जगह

एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चोटिल होने के कारण पिछले कुछ समय से बाहर चल रहे केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को 31 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया जबकि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी पहली बार एकदिवसीय प्रारूप के लिए टीम में जगह दी गई। राहुल और अय्यर की फिटनेस पर सवालिया निशान लगे थे। यह दोनों खिलाड़ी क्रमश- जांघ और पीठ दर्द से उबर कर वापसी कर रहे हैं।

इन्हें मिली भारतीय टीम में जगह

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन (राहुल के बैकअप के रूप में)।

अय्यर ने अपना आखिरी मैच मार्च में जबकि राहुल ने मई में खेला था। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को राहुल के बैकअप के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। हाल में राहुल को मामूली चोट के कारण परेशानी हो गई थी। चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा,'' राहुल की नई परेशानी का संबंध मूल चोट से नहीं है। इसलिए संजू को श्रीलंका दौरे के लिए टीम में लिया गया है। हमें उम्मीद है कि राहुल फिट हो जाएंगे।

केएल के पाकिस्तान के खिलाफ खेलने पर संशय

केएल राहुल और अय्यर का नाम भी शामिल है। दोनों ही चोट के कारण करीब 6 महीने बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। लेकिन कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में केएल राहुल के खेलने पर सस्पेंस है। फिलहाल, राहुल और अय्यर दोनों ही एनसीए में कड़े रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। वहीं टीम का ऐलान करते हुए अजीत अगरकर ने कहा कि, श्रेयस अय्यर पूर्ण तरह से फिट हैं। जबकि राहुल चोट से उबर रहे हैं। उन्हें हाल ही में हल्की चोट लगी है और उन्हें अभी पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा। इसी कारण से राहुल के बैक-अप के तौर पर टीम इंडिया में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जगह दी गई है।

पत्रकारों को मकानों से बेदखली की नोटिस पुलिस कार्रवाई की भी धमकी

बोले पत्रकार- अदालतों की अवमानना कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार के फैसलों की मार पत्रकारों को भारी पड़ रहा है। मामला आवास आबंटन से जुड़ा है। दरअसल, हाल ही में पुन: पत्रकारों को बेदखली और जबरन पुलिस फ़ोर्स का इस्तेमाल करने की नोटिस दी गयी है। इससे पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा है कि ऐसा करना न केवल अवैध बल्कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट दोनों की अवमानना है। इसलिए सरकार पुनर्विचार करें और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के विपरीत निरस्तीकरण आदेश वापस ले या पत्रकारों के बारे में हाईकोर्ट का निर्णय फ इनल होने से पहले किसी को ज़बर्दस्ती बेदख़ल नहीं किया जाये और न पेनल रेंट वसूला जाये।

लखनऊ और अन्य कई राज्यों में पत्रकारों को सरकारी आवास देने का नियम है क्योंकि उन्हें दायित्व निभाने के लिए विधानसभा और सचिवालय आदि के आसपास रहने से सुविधा होती है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह ज़रूरी है, पत्रकारों के संबंध में 1980 से स्पष्ट नियमावली हैं। तत्कालीन सरकार ने 19.8.16 को पूर्व मुख्यमंत्रियों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश की आड़ में तमाम पत्रकारों के मकान बिना नोटिस या सुनवाई रद्द कर दिये थे। पेटीशनर एस एन शुक्ला ने स्पष्ट किया था कि उनकी रिट केवल पूर्व मुख्य मंत्रियों और कुछ टोकेन रेंट पर ट्रस्ट्स के खिलाफ थी। इस रिट में पत्रकारों के बारे में कुछ नहीं कहा गया, न वह पार्टी थे। स्वाभाविक है कि जजमेंट में भी पत्रकारों के बारे नहीं कहा गया। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री और संस्थाओं को मकान देने के लिए कोई कानून नहीं था, इसलिए उनके आवास रद्द हुए, यह आदेश केवल आठ (भूतपूर्व मुख्यमंत्रियों और संस्थाओं) पक्षकारों पर लागू होता है। इसकी आड़ में पत्रकारों को नियमानुसार आबंटित मकान खाली कराना गैर कानूनी और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है। हालांकि पिछली अखिलेश सरकार ने निरस्तीकरण के बाद आश्वासन दिया था कि बेदख़ली नहीं होगी। और सबका आबंटन बहाल करके मामला हल कर दिया जायेगा, पर हुआ नहीं। योगी सरकार ने पिछली सरकार के कई निर्णय बदले लेकिन पत्रकारों के बारे में पिछली सरकार का ही अनुसरण किया।

हाईकोर्ट ने बेदखली की नोटिस को कर दिया था स्टे

हाईकोर्ट ने रवींद्र कुमार सिंह एवं कई अन्य पत्रकारों की रिट याचिका में अपने अंतरिम आदेश में सरकार द्वारा 2016 में आबंटन निरस्तीकरण आदेश और जबरन बेदखली की नोटिस स्टे कर दिया था। वरिष्ठ पत्रकार शरद प्रधान के मामले में कोर्ट ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश पत्रकारों पर लागू नहीं होता। हाईकोर्ट की यह टिप्पणी सभी पत्रकारों पर लागू होती है।

बैक डेट से करीब आठ गुना बढ़ाकर रेंट भेजा

कनफ्यूजन की वजह से करीब ढाई साल तक राज्य सम्पत्ति विभाग से रेंट के बिल नहीं आये, फिर अचानक बैक डेट से करीब आठ गुना बढ़ाकर पेनल रेंट लगा दिया गया जो कई पत्रकारों की मासिक आमदनी से भी ज्यादा है। बैक डेट से आठ गुना रेंट लगाने से सबका कुछ न कुछ बकाया हो गया। अगर 19. 8.16 का निरस्तीकरण आदेश रद्द हो जाये तो बकाया नहीं रहेगा, बल्कि अधिक जमा दिखेगा।

मणिपुर में नाकेबंदी हटाई गई आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के हालात सामान्य होते दिख रहे हैं। राजधानी इंफाल को असम के सिलचर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर एक आदिवासी समूह द्वारा की गई नाकाबंदी को हटा दिया गया है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने आवश्यक वस्तुओं के साथ 171 ट्रकों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाया।

पुलिस ने एनएच-37 तो खाली करवा लिया है, लेकिन जनजातीय संगठन द्वारा इंफाल को नागालैंड के दीमापुर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर अभी तक अवरोध जारी है। जनजातीय एकता समिति ने मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में कुकी समुदायों को आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति की मांग करते हुए सोमवार को कांगपोकपी में एनएच 2 और तमेंगलोंग जिले में एनएच 37 पर कुछ स्थानों पर फिर से नाकेबंदी कर दी थी। एनएच 37 पर आवश्यक वस्तुओं के साथ 171 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर सख्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं और वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील हिस्सों में सुरक्षा काफिला उपलब्ध कराया गया है। सुरक्षा बलों द्वारा इम्फाल पश्चिम और पूर्व, थौबल, काकचिंग, चुराचांदपुर, तेंगनौपाल कांगपोकपी और बिष्णुपुर जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने कहा, इंफाल पूर्व, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों से सात हथियार और 81 गोला-बारूद बरामद किए गए।

बसपा ने कल बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 23 अगस्त को लखनऊ में बैठक बुलाई है। इस बैठक में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर चर्चा की जाएगी जिसमें मुख्य फोकस उत्तर प्रदेश होगा।

बैठक में राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, विधायक उमा शंकर सिंह, विधान परिषद सदस्य भीम राव आंबेडकर, पूर्व सांसद, पूर्व एमएलसी, मुख्य जोन इंचार्ज, जिलाध्यक्ष के साथ ही बामसेफ के पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में संगठन के विस्तार, बूथ गठन, सेक्टर गठन के साथ ही कैडर कैंप की तैयारियों पर चर्चा होगी। बसपा सुप्रीमो लगातार मंडलवार संगठन विस्तार के बारे में फीडबैक ले रही हैं। दिल्ली में आकाश आनंद को चार राज्यों की जिम्मेदारी देने के बाद अब उत्तर प्रदेश पर खास फोकस किया जा रहा है। दिल्ली मैं पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना, जैसे राज्यों समीक्षा करके दिशा निर्देश दे चुकी हैं।

पुलिस मुठभेड़ में नूंह हिंसा का आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह में सांप्रदायिक झड़प के एक आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मार दी। यह मुठभेड़ जिले के टौरू इलाके में हुई। आरोपी वाशिम के सिर पर 25,000 रुपये का इनाम था। हरियाणा के नूंह में सांप्रदायिक झड़प के एक आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मार दी।

यह मुठभेड़ जिले के टौरू इलाके में हुई।आरोपी वाशिम के सिर पर 25,000 रुपये का इनाम था और उसके खिलाफ लूटपाट और हत्या से संबंधित कई मामले दर्ज थे। वाशिम को टौरू में अरावली से गिरफ्तार किया गया था। उसे इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया।आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल (देसी कट्टा) और पांच कारतूस बरामद किए गए। एक हफ्ते के अंदर नूंह में यह दूसरी पुलिस मुठभेड़ है। 15 और 16 अगस्त की दरमियानी रात को नूंह में हिंसा में शामिल दो संदिग्ध दंगाइयों को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। उन्होंने बताया कि पुलिस मुठभेड़ नूंह जिले के टौरू इलाके में साखो गांव की पहाड़ी के पास हुई। पुलिस ने बताया कि दोनों बाइक से भागने की कोशिश कर रहे थे और उनमें से एक के पैर में गोली लगने से वे गिर गए। उन्होंने बताया कि उनके कब्जे से एक देशी पिस्तौल, एक कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुंछ में बीएसएफ ने दो घुसपैठिये किए ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने पुंछ के बालाकोट सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। अलर्ट सुरक्षाबलों ने दो घुसपैठियों को मार गिराया है। मारे गए घुसपैठियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर दो आतंकवादियों को मार गिराया और घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

भारी मात्रा में हथियार बरामद

सुरक्षा बलों ने एक एके 47, दो मैगजीन, 30 राउंड, दो हथगोले और पाकिस्तान मूल की दवा सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। खुफिया एजेंसियों और पुलिस से मिले इनपुट से पता चला कि नियंत्रण रेखा के पार से कुछ घुसपैठिया बालाकोट सेक्टर में प्रवेश करने के इंतजार में हैं। इनपुट के आधार पर एक निगरानी ग्रिड को अलर्ट पर रखा गया था। अलर्ट जवानों ने बालाकोट सेक्टर के हमीरपुर इलाके में खराब मौसम, घने कोहरे, घने पत्ते और ऊबड़-खाबड़ जमीन का फायदा उठाकर एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे दो घुसपैठियों को देखा। जैसे ही घुसपैठिये सीमा के पास पहुंचे तो जवानों ने उन्हें ललकारा। जब वह नहीं रुके तो उन पर गोलीबारी की गई। इससे दोनों को भागने पर मजबूर होना पड़ा।

हालांकि गोलीबारी में एक नियंत्रण रेखा के पास ही गिर गया। एक अन्य कुछ दूरी पर गिरा। इसके बाद मौसम साफ होने पर दोपहर में तलाशी अभियान चलाया गया। एएनआई के अनुसार, घुसपैठ के प्रयास करने वाले दोनों घायल हो गए, लेकिन वो एलओसी पार लौटने में सफर रहे। बाद में उनकी मौत हो गई। सेना के जवानों को एक एके 47 राइफल, दो मैगजीन, 30 राउंड, दो ग्रेनेड और पाकिस्तान मूल की दवाएं मिली हैं। एलओसी की ओर जाने वाले रास्ते पर कुछ स्थानों पर खून के निशान भी मिले हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।